Regarding issues pertaining to payment of wages in a reputed Synthetic factory in Kota

अमरा राम (सीकर) : माननीय सभापति जी, मैं आपका हृदय से आभार प्रकट करता हूँ कि आपने मुझे राजस्थान के लोक महत्व के बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे को सदन में उठाने की अनुमति प्रदान की ।

महोदय, जे.के. सिंथेटिक्स कारखाना कोटा में राजस्थान का सबसे बड़ा कारखाना था । इसमें हजारों मजदूर काम करते थे और इसके कारण आसपास के हजारों लोगों का रोजगार चलता था । मैनेजमेंट ने कारखाने को बंद कर दिया और बंद करने के बाद, मजदूरों और आम जनता की लड़ाई के बाद बीएफआईआर में मुद्दा गया । केंद्र और राज्य सरकार, मजदूरों और मालिकों के बीच बीएफआईआर ने तय किया कि तमाम मजदूरों का बकाया पैसा चुकाने का काम किया जाएगा और कारखाने को वापस चालू किया जाएगा और इसके बाद अराफात ग्रुप को यह कारखाना दे दिया गया । इसने न तो कारखाने को चलाने का काम किया और न ही हजारों मजदूरों को पेमेंट देने का काम किया । इसमें काम करने वाले सैकड़ों मजदूर ऊपर चले गए, लेकिन आज तक उनका भी बकाया नहीं दिया गया । आप अंदाजा लगाएं, जिन मजदूरों ने अपने खून-पसीने से कारखाने को चलाया था, 25 सालों बाद उनकी पेमेंट नहीं की । 125 एकड़ जमीन, जो कोटा के हार्ट में है, अराफात ग्रुप ने इसे राजस्थान सरकार मिलकर आवास में कन्वर्ट करा लिया ।

वहां की जनता ने, मजदूरों ने लड़ाई लड़ी और उस निर्णय को वापस किया गया । अराफात ग्रुप हजारों-करोड़ों रुपये की मशीनें वहां से ले गया । इसलिए आपके माध्यम से सदन से मेरा यही निवेदन है कि केन्द्र सरकार हस्तक्षेप करे । उन मजदूरों का जो पेमेंट बकाया है, वह वापस करे । वह निश्चित रूप से कोई कारखाना लगाये, वरना सरकार अराफात ग्रुप से 125 एकड़ जमीन, जो हजारों-करोड़ रुपये की है, उसको वह नहीं ले जाये । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति : श्री पी. वी. मिथुन रेड्डी ? उपस्थित नहीं ।

श्री सुरेश कुमार कश्यप ।